



STEPPING STONE
SCHOOL (Hindi)

Stepping Stone
School (Hindi)
Class - IV

Sub - 2nd Lang (Hindi) Handwriting & Spelling

20.5.2020

Time limit - 30 min

Worksheet - 13

(सर्व प्रथम दिमे लारा शादगांव को लगान से पहें, फिर हुसे स्कूलेख (Handwriting) की तरह दुबई उतोरं। यिराम चिह्नों यां लगान च्छों। पुर्णी वर्तनी लेखान्ति की गाई है जूँ से आलग से एक पैपर सीट पर उतोरं छोर अभ्यास करें)

एक पंडित था। वह प्रत्येक जाणा को इस प्रकार द्वारा प्रवाह लोलता था, जैसे कि वही उदाहरि मातृभाषा हो। ऐसी-मिथि में यह पता लगाना बहुत ही गुरुकल हो जगा था कि उसकी मातृभाषा कौन-ही नहीं?

एक बार वह पंडित लाटशाह आकर्षर के द्वारा में आकर लोला - "हुजूर, मैं आपके दरबारियों को चुनीती देता हूँ कि या तो मेरी मातृभाषा के लिए में जाएं या मिर उपर्युक्ती हार सुविजार कर लें।" लाटशाह आकर्षर के दरबारी भी जासानी से हार माननेवाले नहीं थे। दरबारियों ने आलग-आलग जाणा में उल पंडित से लगात और, किंतु उल लतुर-पंडित ने उसी जाणा में जवाब भी दिया। कोई भी दरबारी पंडित की मातृभाषा नहीं पता सका तो उलने लाटशाह आकर्षर लोकह, "हुजूर, मैं आपको एक राधाह का ज्ञान देता हूँ कि आपके दरबारी मेरी मातृभाषा जाता है, वरना हार मान लें।"